Hkkjrh; turk ikVhZ

jk"Vªh; vf/kos'ku

28] 29 ,oa 30 fnlEcj 2005

jtr t;arh uxj] eqacbZ

jtr t;arh lans'k

Hkkjrh; turk ikVhZ dh jtr t;arh ds ifo= vkSj 'kqHk volj ij ;g le; gS fd ge viuh miyfC/k;ksa ij xkSjo dh vuqHkwfr djsa] viuh fot;ksa ,oa leL;kvksa dk fo'ys"k.k djsa ds lkFk&lkFk Hkfo"; dh vksj Hkh ns[ksaA blfy, ;g vko';d gS fd ge mu Hkkoh dk;ksaZ dh igpku djsa ftlls ikVhZ ds lHkh Lrjksa ij Hkfo"; ds fy, dk;Z ;kstuk cu lds vkSj mUgsa vey esa yk;k tk ldsA geas u dsoy xrZ dh vksj ys tkus okyh ckrksa ls cpuk gksxk] cfYd tgka Hkh vko';d gks geas lq/kkj Hkh ykuk gksxkA lkFk gh geas gekjs dk;ZdrkZvksa dh eu%fLFkfr dks Hkh cnyuk gksxkA rkfd Hkktik ljdkj pykus esa l{ke vkSj LoHkkfod ikVhZ cuus ds lkFk vkSj lq'kklu ds ek/;e ls tukdka{kkvksa dks iwjk djus okyk ,dek= jktuhfrd laxBu cu dj mHkjs ldsA bl vLoj ij Hkktik Hkkjr dks ,d etcwr] le)] 'kfä'kkyh] vkRefo'okl ,oa vkRefuHkZj ns'k cukus ds dk;Z ds fy, iqu% lefiZr djrh gS tgka u Hk; [k gksxh] u xjhch gksxh] u gh fdlh ukxfjd ds ifr HksnHkko gksxk rFkk lHkh dks U;k; feysxkA

fopkjèkkjk vkSj vkn'kZokn %

भारतीय जनता पार्टी अन्य राजनीतिक दलों की तरह मात्र सत्ता पाने के लिए सत्ता में नहीं आना चाहती बल्कि यह एक ऐसे वृहद् आन्दोलन का अंग है जो कि राष्ट्रवाद की विचारधारा से संचालित है और जिसका उद्देश्य भारत का सर्वांगीण राष्ट्रीय पुनरूत्थान है। हमें अपनी विशिष्ट वैचारिक पहचान बताने, समान विचारों वाले राष्ट्रवादी संगठनों से हमारे संबंधों, और हमारी सभ्यता के शाश्वत और सार्वदेशिक मूल्यों से प्रेरित समग्र सामाजिक प्रगति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के बारे में बताते समय रक्षात्मक अथवा क्षमाप्रार्थी नहीं होना चाहिए, जिन्हें पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद में समाहित किया था।

हमें उन सभी विचारधाराओं और राजनीतिक शक्तियों, विशेषकर कांग्रेस तथा कम्युनिस्टों के विरुद्ध एक सशक्त ठोस आक्रामक अभियान छेड़ना चाहिए, जो भारत राष्ट्र की मूलभूत पहचान हिन्दुत्व को नकारते हैं, जिन्होंने अपने क्षुद्र राजनीतिक स्वार्थों के लिए सेकुलरिज्म के आदर्शों को पतित कर दिया है, भाजपा – विरोध और हिन्दू विरोध ही उनके लिए 'वाद' है । जहां तक भाजपा

का सम्बन्ध है, उसके लिए 'हिन्दुत्व', 'भारतीयता' और 'इण्डियनेस' एक समानार्थी शब्द हैं। इन तीनों में से भाजपा किसी एक विशेष शब्द का उपयोग करने का कोई आग्रह नहीं रखती।

भाजपा एक प्रगतिशील सामाजिक व्यवस्था की स्थापना की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराती है जो समानता के आदर्शों, सहयोग सामाजिक न्याय, सामाजिक सद्भाव, लैंगिक न्याय (समानता), अंत्योदय, पर्यावरण की सुरक्षा, पारिवारिक और सामाजिक मूल्यों का संरक्षण और व्यक्ति के सर्वांगीण विकास जोकि मानवीय मूल्यांकन की अनिवार्य पूर्व–शर्त है, पर आधारित होगा। हम सर्वे जनः सुखिनः भवन्तु (सभी प्रसन्न रहे) के लक्ष्य में विश्वास रखते हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्र की एकता व अखण्डता की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। स्वदेशी धारणा पर आधारित तथा भारत के तीव्र विकास के लिए हम कटिबद्ध हैं। भारतीय सामाजिक और आर्थिक विकास के मुद्दों सहित विभिन्न राष्ट्रीय मुद्दों पर हमारा दृष्टिकोण समय–समय पर पारित हमारे प्रस्तावों में अभिव्यक्त होता रहा है। इसका सबसे ताजा उदाहरण चौदहवीं लोकसभा के चुनावों के पूर्व जारी हुआ, भाजपा का दृष्टिकोण दस्तावेज है।

भाजपा का कोई भी कार्यकर्ता अपने व्यक्तिगत स्वार्थों को इस उद्देश्य से ऊपर रखता है तो उसके पार्टी में रहने का कोई कारण नहीं हैं। संगठन से बड़ा कोई नहीं है। बार–बार देखने में आया है कि जब कार्यकर्ता और पदाधिकारी किन्हीं महान विचारों से संचालित नहीं होते और जब वह व्यापक लक्ष्य के प्रति भावनात्मक रूप से प्रेरित नहीं हैं और वे उद्देश्यों तथा स्वार्थों के सामने घुटने टेक देते हैं जोकि हमारी परम्परा से मेल नहीं खाते और हमारे आन्दोलन के लिए नुकसानदायक हैं।

vkn'kksZ vkSj fopkj/kkjk dh izeq[krk %

आदर्शों और विचारधारा की प्रमुखता को पुर्नस्थापित करना इसलिए भी जरूरी हो गया है ताकि समर्पित और अच्छे कार्यकर्ताओं को अवसरवादी तथा कैरियरस्टिों से अलग रखा जा सके तथा निःस्वार्थ काम करने वाले कार्यकर्ताओं को ऐसे लोगों से बचाना है जो इस सोच से संचालित होते हैं कि 'इसमें मेरे लिए क्या है?' साथ ही ऐसे कार्यकर्ताओं की पहचान करनी है जो अच्छे और बुरे वक्त में पार्टी के साथ रह सकें तथा त्याग कर सकें। हमें अपने कार्यकर्ताओं को यह सोचने हेतु प्रोत्साहित करना चाहिए कि ''मैंने पार्टी को क्या दिया है'' बजाय यह सोचने के ''कि पार्टी ने मुझे क्या दिया है?'' इसलिए सदैव हमारा ध्येय रहना चाहिए–***jk"Vª igys] ikVhZ ckn esa vkSj ge mlds ckn*** हमारे राष्ट्र के सम्मुख इन विशाल चुनौतियों से हम तब तक नहीं निपट सकते जब तक हमारे पार्टी संगठन में उन लोगों की भरमार रहेगी जिनकी आदर्शवाद और विचारधारा के प्रति कोई बुनियादी प्रतिबद्धता नहीं हैं। हमें भ्रष्टाचार जैसी छूत की बीमारी, कांग्रेस जिसकी मुख्य धारा बन चुकी है, के प्रति सतत सचेत रखना होगा।

हमें अपनी प्रतिबद्धता जैसे समान सिविल कोर्ट बनाने, धारा 370 को समाप्त करने, प्रलोभन से धर्मान्तरण पर रोक लगाने और सीमापार से हो रही व्यापक एवं अबाधित घुसपैठ से उत्पन्न खतरों का मुकाबला करने के माध्यम से राष्ट्रीय एकात्मकता को प्रोत्साहित और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को प्रचारित करने में लगे रहना है। भाजपा रामजन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा जनसंख्या नियंत्रण की पक्षधर है। भाजपा चाहती है कि आतंकवाद को शक्ति से कुचला जाए। भारतीय जनता पार्टी गौ–वध बंदी कानून लगाने की अपनी मांग पर कटिबद्ध है। यह सिर्फ धार्मिक भावनाओं का मामला नहीं है अपितु ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुरक्षित रखने और उसे बढ़ावा देने से भी जुड़ा है। जिस पर हमारा पशुधन आश्रित है।

laxBukRed ekspkZ lEcU/kh Hkkoh dk;Z %

भाजपा की शक्ति इसी बात में निहित है कि जनसमर्थन आधारित पार्टी के गुणों के साथ–साथ सुदृढ़ कार्यकर्ता नेटवर्क को मिलाकर इसे अद्वितीय रूप प्रदान किया जाए। इस ताकत को आने वाले दिनों में दोनों गुणों को और भी बढ़ाया जाएगा–इसमें भाजपा के जन–साधारण आधार का

विस्तार किया जाएगा और साथ ही हमारे कार्यकर्ताओं की वाहिनी को बढ़ाया जाएगा और समृद्ध किया जाएगा।

lkefgdrk] ikjLifjdrk vkSj laokn %

सामूहिकता, पारस्परिकता और संवाद– यह तीन ऐसे सिद्धान्त है जो भाजपा की संगठनात्मक संस्कृति की परिभाषा को दर्शाते हैं। इन सिद्धान्तों से यह सार निकलता है कि हम एकजुट हों, मिलकर सोचें, मिलकर काम करें। इनसे समान लक्ष्य और उद्देश्य को जगाने में मदद मिलती है, जिनसे अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारियों को निर्वाह करना होता है। दुर्भाग्य से इन सिद्धातों के प्रति प्रतिबद्धता की कमी पार्टी में कुछ स्तरों पर देखने को मिली है। परस्पर परामर्श और समन्वय के अभाव से अक्सर पार्टी की गतिविधियों की प्रभावोत्पादकता पर असर पड़ता है। इस संदर्भ में कोई भी गलती या अलग रास्ते को ठीक करना होगा। संवाद के लिए परस्पर प्रतिबद्धता आवश्यक है। इस प्रतिबद्धता के लिए हमें परस्पर स्नेह और विश्वास का वातावरण बनाना होगा।

dkedkt dh 'kSyh %

सफलता के इन सुधारात्मक उपायों को सफल बनाने के लिए यह समझना आवश्यक है कि भाजपा व्यक्तिगत आचरण और कामकाज की शैली जो हमारी विचारधारा का अंग है, के प्रति चिंतित है। दोनों को अलग नहीं किया जा सकता। इसलिए, विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता को व्यवहार के मानदण्ड और कामकाज की शैली को लेकर भी मापना होगा। टीम पद्धति के फलस्वरूप अच्छे समन्वय और एकजुट पार्टी का स्वरूप जनता के सामने आता है। पार्टी के प्रत्येक स्तर पर सामूहिक फैसले हमारे लिए अनिवार्य होने चाहिए जिससे सभी यह महसूस कर सकें कि पार्टी में उनकी भी भागीदारी है और उनके सकारात्मक सुझावों को फैसलों में समाहित करना चाहिए।

tokcnsgh ikVhZ ds izfr] u fd fdlh 0;fDr ds %

पार्टी को यह सुनिश्चित करना होगा कि जिन व्यक्तियों को पद और जिम्मेदारियां सौंपी जाती है, उनकी मुख्य रूप से प्रतिबद्धता पार्टी के प्रति हो, न कि किसी व्यक्ति या किसी समूह के प्रति। हमें ऐसा माहौल बनाना चाहिए जिसमें 'पार्टी पहले' की भावना स्व–स्फूर्त हो और जो कार्यकर्ता व्यक्तिगत निष्ठाएं साधने का मोह रखते हों, यह देख सकें कि 'नेता परिक्रमा' करने से कोई लाभ नहीं होगा और ऐसा न करने से कोई नुकसान भी नहीं होगा। पार्टी की गतिविधियां पार्टी कार्यालयों में केन्द्रित रहें, न कि नेताओं के घरों या अन्य स्थानों से।

vuq'kklu cuk, j[kus dh vko';drk %

तुरन्त आवश्यकता इस बात की है कि अनुशासन और आत्मानुशासन की संस्कृति को नीचे से लेकर उच्च स्तर तक के सभी स्तरों पर शुरू किया जाए। यह भाव तेजी से फैल रहा है कि अनुशासनहीनता की गतिविधियों को क्षमा कर दिया जाएगा और यहां तक कि पार्टी विरोधी गतिविधियों के गम्भीर मामलों की भी अनदेखी कर दी जाएगी– इसके कारण हमारे संगठन को बुरी तरह से क्षति पहुंची है। पहले आम जनता भाजपा को "एक अनुशासित नेताओं और कार्यकर्ताओं की पार्टी" के रूप में प्रशंसा करती थी। हमारे कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को इसके लिए सतत् प्रयास करने होंगे कि हम लोगों की अपेक्षाओं पर खरे उतरें और भाजपा "एक अलग पार्टी की पहचान" को पुर्नस्थापित करे।

हमें अपनी पार्टी के अन्दर ऐसी व्यवस्था करनी होगी जिसके चलते कार्यकर्ता और पदाधिकारी समुचित मंचों पर मुक्त रूप से अपनी शिकायतें रख कर संतुष्ट महसूस करें। जहां पूरी तरह से अनुशासनहीनता आती है और बार–बार आचारहीनता दिखाई पड़ती है, वहां कड़ी और स्पष्ट कार्यवाई करनी ही होगी।

अनुशासन लागू करने के अलावा लम्बित समस्याओं और शिकायतों यदि कोई हों तो, को सुलझाने के प्रयास भी करने चाहिए। दूसरे शब्दों में, अनुशासन मजबूत करने तथा समस्याओं को सुलझाने की गतिविधियां साथ–साथ चलनी चाहिए। अनुशासन के मुद्दे पर चर्चा करने और उसका समाधान निकालने में कोई विलम्ब नहीं होना चाहिए। शिकायत निवारण प्रक्रिया मजबूत होनी चाहिए। इसमें जोर समस्या को जड़ से समाप्त करने पर रहे।

vkrfjd ykdr= dh etcrh %

हमें इसका गर्व है कि सिर्फ हमारी ही पार्टी ऐसी है जो संगठनात्मक चुनाव नियमित रूप से कराती है। संगठनात्मक चुनाव इस ढंग से कराने चाहिए कि जहां तक सम्भव हो सके, आम सहमति पर आधारित सर्वानुमति की हमारी परम्परा कायम रह सके। इसका विशेष ध्यान रखना चाहिए कि कोई गुटबंदी या परस्पर बदले की भावना से आरोप–प्रत्यारोप का माहौल न रहे।

ufrd vf/kdkj lEiUu urRo dk fodflr djuk %

पूर्णकालिक कार्यकर्ता हमारी पार्टी की शक्ति का स्रोत हैं। सभी स्तरों पर पार्टी संगठन को शक्तिशाली बनाने की हमारी रणनीति के लिए आवश्यक है कि बड़ी संख्या में ऐसे पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं को शामिल किया जाए और प्रशिक्षित और विकसित किया जाए, जिनकी चुनावी राजनीति या संगठन में कोई पद लेने की लालसा न हो। हमें इस बात के विशेष प्रयास करने होंगे कि हमारे ये कार्यकर्ता हमारे विविधताओं वाले समाज की व्यापक सामाजिक संरचना का प्रतिनिधित्व करें। वैचारिक शिक्षण जो एक व्यक्ति को आन्तरिक रूप से तैयार करता है, इस रणनीति का महत्वपूर्ण भाग होना चाहिए।

हमें ऐसे सदस्यों की पहचान करके उन्हें आगे बढ़ाना चाहिए जो चुनाव लड़ने में रुचि न रखते हों। उन्हें इससे ऊपर उठकर कार्यकर्ताओं और नेताओं का मार्गदर्शन करना चाहिए। पार्टी संगठन को मजबूत करने हेतु ऐसे लोगों का कोर ग्रुप बनाना चाहिए जिससे वे निस्वार्थ कार्य करते रहें जिन सदस्यों को अपनी कोई व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा नहीं है उनकी श्रेणी अन्यों के सामने आदर्श प्रस्तुत करेगी।

ikVh dh lkekftd igpku e iu% cnyko %

सामाजिक आधार के संदर्भ में अपनी गतिविधियों और छवि के मामले में भाजपा समाज के सभी वर्गों की पार्टी दिखनी चाहिए (सर्वस्पर्शी और सर्वव्यापी)। साथ ही आम लोगों के बीच इस रूप में पहचानी जाए कि वह उनकी भलाई के लिए जुटने वाली पार्टी है। हमें चौतरफा प्रयास करने हैं जिससे भाजपा की छवि एक 'ग्रामोन्नमुखी', 'गरीबोन्नमुखी' और 'युवान्नोमुखी' बने। हमारी पार्टी को समाज के वंचितों ओर सशक्तिकरण से विमुख वर्गों में आई नई 'जागृति' और 'चेतना' के साथ अपने को मजबूती से जोड़ना चाहिए। सामाजिक समरसता और समन्वय की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए हमें उनकी स्वाभाविक आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को मुखरित करने में अग्रसर रहना चाहिए।

केन्द्र में राजग सरकार और प्रदेशों में हमारी पार्टी की सरकारों के इस पक्ष को पर्याप्त रूप से उजागर करने की जरूरत है कि समाज के दलित, आदिवासी, अन्य पिछड़े वर्गों और अन्य असहाय वर्गों के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता है। भाजपा कार्यकर्ताओं को इस हेतु प्रशिक्षित किया जाए कि वे विरोधियों द्वारा इन वर्गों की जुबानी सेवा को पर्दाफाश कर सकें और विचार तथा व्यवहार में समरसता के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता को प्रचारित कर सकें।

ekpk vkj idk"Bk dk Åtkoku cukuk %

हमारी विकास रणनीति के अनुरूप अपने अपने क्षेत्रों में हमारे सभी मोर्चों और प्रकोष्ठों की गतिविधियों का विस्तार करने के लिए पार्टी शीघ्र ही विशिष्ट रणनीतियां तैयार करेगी। हमने पाया

है कि हाल के वर्षों में स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर नए–नए वर्ग एवं निर्वाचन समूह उभर कर सामने आए हैं, जिनके लिए राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर नए प्रकोष्ठों की स्थापना की आवश्यकता है।

ikVh dh xfrfofèk;ks dks fofHkUu oxksa esa c<+kuk %

पार्टी ने निश्चय किया है कि वह अपनी गतिविधियों को किसानों, खेतिहर मजदूरों ओर गांव के अन्य गरीबों के बीच बढ़ाएगी। हालांकि यह किसान मोर्चा की जिम्मेदारी मानी जाती है। फिर भी पूरी पार्टी के लिए यह आवश्यक हो गया है कि वह अपनी गतिविधियों को ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ाए। इसलिए सभी पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को इस प्रकार के कार्य से जुड़ना चाहिए, ग्रामीण क्षेत्रों का नियमित दौरा तथा किसानों और अन्य ग्रामीण वर्गों की समस्याओं को विभिन्न मंच पर उठाना चाहिए। ऐसे संवाद हमारे कार्यकर्ताओं को देश भर में लोगों के सामने पार्टी के विचार और कार्यक्रमों को रखने का मंच प्रदान करेंगे।

हाल के दशकों में भाजपा का जनाधार अनुसूचित जातियों और जनजातियों में काफी तेजी से बढ़ा है। यद्यपि इसके विस्तार की बहुत संभावनाएं अभी हैं और इस दिशा में इन प्रयासों को और सघन बनाने की तत्काल आवश्यकता है। न केवल पार्टी के सम्बन्धित मोर्चों को अपितु पूरी पार्टी को इन वर्गों से जुड़े मुद्दों को उठाने, उनकी समस्याओं को मुखरित करने, शोषण और दमन का विरोध करने और जहां जरूरत हो वहां आन्दोलनात्मक गतिविधियां चलाने के अपने प्रयासों को पहले से दुगुना करना पड़ेगा।

भाजपा का मानना है कि अल्पसंख्यक हमारे समाज का अभिन्न अंग हैं। हम उनका भी उतना ही ध्यान बिना किसी भेदभाव के रखते हैं जितना हम समाज के किसी भी अन्य वर्ग का करते हैं। हमें उनकी शिक्षा रोजगार, आर्थिक विकास एवं सशक्तिकरण (त्रिसूत्री फार्मूला) से जुड़े मुद्दे उठाने चाहिए जिससे उन्हें राष्ट्र के विकास की मुख्य धारा में लाया जा सके। हमें इन वास्तविक मुद्दों को उठाने के मामले में छद्म सेक्युलर दलों की असफलता को उजागर करना होगा तथा साथ ही यह भी बताना होगा कि कैसे अपने क्षुद्र राजनीतिक फायदे के लिए उन्होंने अल्पसंख्यकों को वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया।

पार्टी लम्बे समय से यह समझती रही है कि पार्टी को महिला केन्द्रित कार्यक्रमों को बढ़ाते हुए नई महिला कार्यकर्ताओं का सभी स्तरों पर विकास करना चाहिए। इसकी आवश्यकता महिला आरक्षण विधेयक जिसे हमारी पार्टी ने सबसे पहले आगे बढ़ाया था, पर बढ़ती चर्चा को ध्यान में रखते हुए और त्वरित तथा महत्वपूर्ण हो जाती है। यह आवश्यक हो गया है कि पार्टी संगठन के निर्णय की प्रक्रिया में महिला कार्यकर्ताओं की भागीदारी बढ़ाई जाए। महिला मोर्चा को अपनी गतिविधियां शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के गरीबों, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, पिछड़े वर्गों तथा अल्पसंख्यकों के बीच बढ़ानी चाहिए। मोर्चे को समाज के इन वर्गों से नए कार्यकर्ताओं को खड़ा करना चाहिए।

;qok usrRo fodflr djuk %

पार्टी के सामने तात्कालिक कार्य यह है कि वह युवा नेतृत्व को विकसित और प्रोजेक्ट करे। हमारा यह प्रयास होना चाहिए कि हम 20–25 वर्ष की आयु के होनहार युवक–युवतियों को पार्टी में शामिल करें, उन्हें अपनी विचारधारा तथा व्यावहारिक गतिविधियों के बारे में 3–4 वर्ष का प्रशिक्षण दें, उन्हें स्थानीय निकायों में शासन चलाने का अनुभव प्राप्त करने के अवसर प्रदान करें और इसके द्वारा उन्हें भाजपा के सक्षम नेता के रूप में उभरने में सहायक बनें।

भाजपा के सभी मोर्चों में से युवा मोर्चा युवाओं में हमारे जनाधार को फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो भारत की जनसंख्या के महत्वपूर्ण और संख्याबल की दृष्टि से निर्णायक घटक हैं। अतः सभी स्तरों पर पार्टी यूनिटों को इसके विकास को प्रोत्साहित करने और इसके कार्यकलापों का दिशा निर्देशन करने के लिए अधिक से अधिक प्रयास करना होगा। गैर–छात्र, युवाओं में संख्या बल

की दृष्टि से सबसे बड़े तथा सबसे कम संगठित हैं, इन पर हमारा ध्यान विशेष रूप से बना रहेगा। इसके अतिरिक्त हमें विश्वविद्यालयों एवं अन्य शैक्षणिक संस्थाओं में पढ़ने वाले आदर्शवादी एवं सामाजिक रूप से जागरूक छात्रों तक अपनी पहुंच बढ़ाने के प्रयास करने होंगे।

çf'k{k.k dk;l dk mé;u %

पार्टी के सारे कार्यकलापों में वैचारिक आग्रह को सुदृढ़ करने के हमारे संकल्प ने यह आवश्यक कर दिया है कि हम पार्टी के कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण को सतही और चलाऊ प्रयास के रूप में न लेकर संगठन के सभी स्तरों पर संचालित किए जाने के लिए व्यवस्थित तथा नियमित प्रोग्राम के रूप में लें। साथ ही प्रशिक्षण में न केवल वैचारिक मुद्दे, आदर्शवाद तथा विकास सम्बन्धित विषय ही समाहित हों, वरन् इसमें आदर्शवाद सम्पोषक वैयक्तिक आचरण और कार्यशैली भी शामिल हो, जो हमारी विचारधारा का अंग भी हैं। इस कार्यक्रम को संस्थागत रूप देने के उद्देश्य से देश के विभिन्न हिस्सों में प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित करने की प्रक्रिया चालू है।

यह ध्यान में रखा जाना आवश्यक है कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम निचले स्तर के कार्यकर्ताओं के लिए नहीं है। तेजी से बदलती दुनिया जिसमें प्रतिदिन चुनौतियां और अवसरआते हैं, साथ ही तकनॉलोजी के चलते विशद सूचनाओं के मार्ग खुल रहे हैं, ऐसे में सभी के ज्ञान आधार और कुशलता को अद्यतन किया जाना जरूरी है। अतः मंत्रियों, विधायकों, सांसदों, स्थानीय निकायों के सदस्यों और सभी स्तर के पार्टी पदाधिकारियों को एक नियमित अवधि में प्रशिक्षण और फ्रेशर कोर्स करने की जरूरत है।

fuokfpr ifruf/k;k gr| Hkkoh dk;l %

Hkktik 'kkflr in'k ljdkjk d dke&dkt e vkj l/kkj%

सुशासन की उत्कट प्रतिपादक होने के नाते भाजपा केवल भाजपा द्वारा शासित और गठबंधन की सहयोगी पार्टी के रूप में अपनी राज्य सरकारों के कार्य निष्पादन को सुधारने की अनिवार्य आवश्यकता की अनदेखी नहीं कर सकती है। यह सुनिश्चित करना हमारा अनिवार्य कर्त्तव्य है कि भाजपानीत सरकारें अपने–अपने राज्यों में लोगों की आकांक्षाओं के पूरा करने तथा पार्टी के चुनावी घोषणापत्रों में किए गए वायदों को पूरा करने में समर्थ हों। ऐसा करना भारत के चुनावों में सत्ता विरोधी प्रवृत्तियों के बढ़ते महत्व को देखते हुए और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। भाजपा या भाजपा शासित प्रदेश सरकारों को ऐसे काम करना है जिससे पूरे देश के सामने हम 'रोल मॉडल' प्रस्तुत कर सकें, जो सुशासन के उदाहरण बन सकें।

यह तभी संभव होगा जब सरकार और पार्टी के बीच घनिष्ठ समन्वय होगा। हमें इस तरह की कार्यशील व्यवस्था तैयार करनी होगी, जिससे पार्टी संगठन मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों को मार्ग–निर्देशन प्रदान कर सके और उनके कार्यकलापों पर नजर रख सके। इसी प्रकार लोगों और जमीनी कार्यकर्ताओं से 'फीडबैक' लेने के लिए व्यवस्थित तंत्र तैयार करना होगा और इन्हें समुचित कार्रवाई के लिए सरकार तक पहुंचाना होगा और हम अपने विराधियों के मिथ्या प्रचार का सामना कर सकें।

lln vkj jkT; foèkkulHkkvk e Hkktik %

छः वर्षों तक देश में संतोषजनक शासन करने के बाद संसद में भाजपा की एक विपक्ष के रूप में जिम्मेदारी और भी अधिक बढ़ गई है। हमें अपनी नई भूमिका में सरकार में अपने अनुभवों और ज्ञान से लाभ उठाना है। भाजपा से लोग आशा करते हैं कि वह "एक अलग ढंग के विपक्ष की भूमिका का निर्वाह" भी उसी तरह से करे जैसे वाजपेयी सरकार को "एक अलग ढंग की सरकार" के रूप में देखते थे। इससे हमारे सांसदों और विधायकों पर संसद तथा राज्य विधानसभाओं के अन्दर और बाहर दोनों स्थानों पर बड़ी जिम्मेदारी आ जाती है।

ikVh inkf/kdkfj;k] lkInk vkj foèkk;dk dh dk;l fu"iknurk dk fu;fer eY;kdu%

अनुभव दर्शाता है कि काफी बड़ी संख्या में हमारे सांसद और विधायक फिर से चुनकर आने में असफल रहते हैं। अक्सर यह निर्वाचन क्षेत्र के स्तर पर 'एंटी–इनकम्बेंसी फैक्टर' के फलस्वरूप होता है। इस की एक बड़ी कीमत हमने हाल ही के लोकसभाई चुनाव में चुकाई है। इसलिए, पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय को प्रदेश इकाईयों के सहयोग से एक ऐसी प्रक्रिया बनाई जानी चाहिए जिससे हमारे सांसदों और विधायकों की कार्य निष्पादनता का निश्चित अवधि में मूल्यांकन हो सके।

fuokfpr tuçfrfufèk;k ,o dk;drkvk d eè; lokn %

हमें एक ऐसा संस्थागत रास्ता तैयार करना पड़ेगा जिसमें कार्यकर्ताओं के सुझावों एवं जरूरतों के समाधान के लिए संस्थागत प्रयास आवश्यक हैं, जिससे उनके द्वारा व्यक्ति संबंधी कार्यों को जारी रखा जाए। सांसदों और विधायकों को पार्टी कार्यालय में जाना चाहिए। साथ ही पार्टी की बैठकों तथा पार्टी कार्यक्रमों में जहां वह अपेक्षित हैं, अवश्य जाएं।

हमको अपने पदाधिकारियों की जबावदेही सम्बन्धी पद्धति बनानी होगी जिसमें साफ तौर पर रेखांकित किया जाए कि उनसे क्या अपेक्षा है और उनके कार्यों के आधार पर उनके बारे में निर्णय लिया जाए। उनको सौंपे गए कार्य को करने की उनकी क्षमता का आंकलन एक नियमित अवधि पर किया जाना चाहिए। निर्वाचित प्रतिनिधियों की विधायिकाओं में कार्यनिष्पादनता, पार्टी गतिविधियों में भागीदारी, लोगों की समस्याओं को सुलझाने, सांसद और विधायक निधि की राशि आबंटन में पारदर्शिता, पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रति रुख इत्यादि के आधार पर उनका नियमित मूल्यांकन और समीक्षा की जाएगी।

LFkkuh; fudk;k e viuh fLFkfr lèkkjuk %

हमारे सदस्यों में से काफी बड़ी संख्या, पंचायतों, जिला परिषदों, नगरपालिका एवं नगर निगमों के निर्वाचित सदस्य हैं। इन स्थानीय निकायों की कार्य प्रणाली में सुधार लाने की आवश्यकता है। पंचायत और नगरपालिका स्तर पर सुशासन देना हमारी सुशासन की प्रतिबद्धता का अभिन्न अंग है।

fodkl lEcUèkh Hkkoh dk;l %

भाजपा की दृष्टि दो आधारभूत तत्वों पर टिकी हैः राष्ट्रवाद और विकास। हम मानते हैं कि यह दोनों ही, सशक्त भारत के हमारे सपने को साकार करने की पूर्व शर्ते हैं। समाज के सभी वर्गों में और देश के सभी क्षेत्रों में विकास की बहुत भूख है। लोगों की एक अच्छे जीवन स्तर के प्रति उभरती आकांक्षाओं पर भाजपा को खरा उतरना होगा।

ikVh cBdk e fodkl dk fu;fer fo"k; cukuk %

विकास और लोक कल्याण का विषय सभी स्तरों की पार्टी बैठकों के एजेण्डा का नियमित हिस्सा बनना चाहिए। इन विषयों पर पार्टी का रूख तय करने और प्रस्तुत करने में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को अपने साथ जोड़ने के ठोस प्रयास करने चाहिए। पार्टी कार्यालयों में उनके क्षेत्र के मुख्य विकास के पैमानों से जुड़ी नवीनतम सूचनाएं और बैकों तथा विकास एजेंसियों की कार्यनिष्पादनता से जुड़ी जानकारी उपलब्ध होना जरूरी है। हमें राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर पर विभिन्न विषयों सम्बन्धी समितियां बनाने की जरूरत है। इसी से भाजपा की छवि विकासोन्मुख पार्टी की बनेगी।

jpukRed xfrfof/k;k %

हमें रचनात्मक कार्यकलापों को संगठन निर्माण का अभिन्न अंग बनाना होगा। हमने सचमुच ही ऐसा देखा है कि जब–जब हमारे कार्यकर्ता और पदाधिकारी सामाजिक संगठनों, शैक्षिक तथा स्वास्थ्य–रक्षा संस्थाओं, सहकारी समितियों तथा गैर–सरकारी संगठनों से सम्बंन्धित कार्यों से जुड़े हैं, तब–तब ही न केवल उन्हें लाभ हुआ है वरन् पार्टी भी अपना जनाधार बढ़ाने में सफल रही है। इस सन्दर्भ में युवाओं एवं महिलाओं को जोड़ने के लिए 'स्वयं–सहायता समूहों' को बनाने से रोजगार सृजन एवं आमदनी बढ़ाने के कार्यों का महत्व बढ़ जाता है। इसी प्रकार समर्पित भाव से काम करने वाली धार्मिक संस्थाओं का भी समाज में काफी प्रभाव है। अतः यह विचारणीय है कि पार्टी के प्रत्येक सक्रिय कार्यकर्ता के लिए यह अनिवार्य कर दिया जाए कि वह कुछ न कुछ रचनात्मक कार्य करे। इस कार्य योजना को ठोस रूप दिए जाने से पहले इस विषय पर सलाह–मशविरा शुरू किया जाएगा।

ey dh vkj ykV ¼Back to the Basics½ %

भारतीय जनता पार्टी का एक गौरवशाली इतिहास रहा है जिसे हमारे मातृसंगठन भारतीय जनसंघ की उपलब्धियों के साथ जोड़कर देखना चाहिए। हम डा. श्यामा प्रसाद मुकर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे महापुरुषों से प्रेरणा प्राप्त करते हैं। जब हम मूल की ओर लौटने की बात करते हैं, तो इसका अर्थ सिर्फ विचारधारा तक सीमित नहीं अपितु कार्यसंस्कृति से भी है। हजारों पार्टी कार्यकर्ताओं ने विचारधारा और आदर्शवाद के प्रति प्रतिबद्धता के चलते अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। हमारे राजनीतिक प्रतिद्वंदियों द्वारा कई अवसरों पर भाजपा कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जाता है क्योंकि वे दृढ़ संकल्पवद्ध होते हैं, जो अन्य लोगों में देखने को नहीं आता। यही कारण है कि कई पार्टी कार्यकर्ताओं को कट्टरपंथियों, राष्ट्रविरोधी तत्वों तथा देश के विभिन्न हिस्सों में नक्सलियों के गुस्से का शिकार होना पड़ा। ऐसे लोगों की शहादत कभी नहीं भुलाई जा सकती और उनके उदाहरण हमारी भावी यात्रा में हमें प्रेरणा देते रहेंगे। हमें अपने अनेक कार्यकर्ताओं की शहादत से सबक सीखना पड़ेगा और पार्टी के गौरवशाली इतिहास, हमारे संस्थापकों के योगदान तथा भारत को गौरवशाली बनाने में भाजपा का एक दल के रूप में योगदान के विषय में दूसरी पीढ़ी के सदस्यों को प्रशिक्षित करना पड़ेगा।

अन्त में हम अपने–अपने राज्यों एवं क्षेत्रों में निम्नलिखित प्रतिबद्धताओं के साथ वापिस जाएंगे।

1- fopkj/kkjk vkj vkn'kokn gekjh fof'k"V igpku gkuk pkfg, vkj gekj fy, lcl igy jk"V gkuk pkfg,A lkFk gh ge ikVh d lnL;k d fy, ,d vkn'k 0;ogkj ij cy nuk pkfg,A

2- ,d ixfr'khy lerkoknh vkj lkgknii.k lekt dk fuek.k dju d ldYi d ifr ge viuh ifrc)rk dk vkj etcr djuk gkxkA

3- gj Lrj ij ikVh lxBu dk etcr djr g, vu'klu ,o vUn:uh ykdr= ij tkj nuk gkxkA

4- fdlkuk] efgykvk] ;okvk vkj lekt d detkj oxk d chp viuk vk/kkj c<kuk gkxkA

5- ikVh dk ljdkj pyku d LokHkkfod ny d :i e fodflr dju d fy, ge tgk Hkh volj fey l'klu dk mnkgj.k j[kuk gkxkA

इस दस्तावेज में निर्धारित किए गए संगठन कार्यों को संक्षेप में हम ''मूल की ओर लौटें'' कह सकते हैं। जैसे जनसंघ तथा भारतीय जनता पार्टी की स्थापना के आरम्भिक दिनों में हमारे पदाधिकारी और प्रमुख कार्यकर्ता करते थे, उसी प्रकार हम भी पार्टी कार्य के लिए दिए गए समय का बड़ा भाग अपने कार्य क्षेत्र में प्रवास करने में, पार्टी कार्यकार्ताओं से विचारों का आदान–प्रदान करने में, लोगों तक पहुंचने में, योजनाएं बनाने में तथा बड़े स्तर पर कार्यक्रम करने में करें। वे

अपने आदर्श व्यवहार द्वारा हर स्तर पर एक मापदण्ड कायम करें। यह महत्वपूर्ण है कि हममें से प्रत्येक व्यक्ति जनता को अपने आदर्शवाद और अपनी विचारधारा से प्रेरित करने में सक्षम है।

***